(اتر پردیش) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی، لکھنؤ (ہندوستان)
ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
KHWAJA MOINUDDIN CHISHTI LANGUAGE UNIVERSITY, LUCKNOW, U.P. (INDIA)
UTTAR PRADESH STATE GOVERNMENT UNIVERSITY
(Recognised Under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956 & B.Tech. Approved by AICTE)

Department of Sanskrit

Semester– I
Elementary Sanskrit-I
Introduction and Basic Grammer

Credit-Non Credit **Lectures -60**

Unit-1 15 **Lectures**

- **वर्णमाला – परिचय**

  माहेश्वरसूत्र, अनुस्वार, विसर्ग, प्रत्याहार, उच्चारणस्थान,अन्तःस्थवर्ण, ऊष्मवर्ण, देवनागरी लिपि।

Unit-2 15 **Lectures**

- **सन्धि**

  स्वरसन्धि–यण्, अयादि, गुण, वृद्धि, पररूप, पूर्वरूप, दीर्घ।
  व्यञ्जनसन्धि–श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, चर्त्व, छत्व,परसवर्ण।
  विसर्गसन्धि–रुत्व, विसर्ग, रलोप, विसर्गलोप।
  विभक्तियाँ,लिंग, वचन, पुरुष, आत्मनेपद, परस्मैपद, उपसर्ग, अव्यय, प्रत्यय

Unit-3 15 **Lectures**

- **शब्दरूप**– (अजन्त)
- **पुँल्लिंग**– अकारान्त–राम, बालक; इकारान्त–मुनि, कवि; ईकारान्त–सुधी; उकारान्त–गुरु, साधु; ऋकारान्त–कर्तृ; ओकारान्त–गो।
- **स्त्रीलिंग**– आकारान्त–लता, बालिका; इकारान्त–पति, ईकारान्त–नदी; उकारान्त–धेनु।
- **नपुंसकलिंग**– अकारान्त–ज्ञान, पुस्तक; इकारान्त–वारि; उकारान्त–मधु।
- **शब्दरूप** – (हलन्त)
- **पुँल्लिंग**– ऋत्विज्, भूभृत्, भगवत्, सुहृद्, राजन्, आत्मन्, युवन्, पथिन्, विद्वस्।
- **स्त्रीलिंग**– वाच्
- **नपुंसकलिंग**– जगत्, नामन्, कर्मन्, मनस्।
- **सर्वनाम**– अस्मद्, युष्मद्, तद्, भवत्, इदम्, अदस्, यत्, किम्, सर्व।
- **संख्यावाचक**– एक से दशपर्यन्त के रूप तथा 100 तक संख्यानिर्माण।

Anigam
27.1.2021

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی، لکھنؤ، اتر پردیش (ہندوستان)
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
KHWAJA MOINUDDIN CHISHTI LANGUAGE UNIVERSITY, LUCKNOW, U.P. (INDIA)
UTTAR PRADESH STATE GOVERNMENT UNIVERSITY
(Recognised Under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956 & B.Tech. Approved by AICTE)

15 Lectures

Unit-4

- धातुरूप– लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकार–(परस्मैपद तथा आत्मनेपद)
- भ्वादि–भू, पठ्, गम्, दृश्, स्था, वद्, नी;
- अदादि–अस्, हन्;
- जुहोत्यादि–भी, दा;
- दिवादि–जनि, नृत्;
- स्वादि–चिञ्;
- तुदादि–सिच्, लिख्, इष्, प्रच्छ;
- रुधादि–भुज्; तनादि–कृ;
- क्रयादि–ज्ञा;
- चुरादि–गण्, कथ्।

Suggested Reading :
लघुसिद्धान्तकौमुदी
संस्कृत व्याकरण रचना तथा निबन्ध : डॉ. रामजी उपाध्याय

Anigam

(डॉ. [illegible]) 27.1.2021

(Urdu text)
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
KHWAJA MOINUDDIN CHISHTI LANGUAGE UNIVERSITY, LUCKNOW, U.P. (INDIA)
UTTAR PRADESH STATE GOVERNMENT UNIVERSITY
(Recognized Under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956 & B.Tech Approved by AICTE)

Department of Sanskrit

Semester– II
Elementary Sanskrit-II
Literature, History & Translation

Credit-Non Credit **Lectures -60**

Unit-1 **15 Lectures**

- हितोपदेश–
  मित्रलाभ

Unit-2 **15 Lectures**

- वाल्मीकि–रामायण
  (मूलरामायण)
  बालकाण्ड–प्रथम तथा द्वितीय अध्याय

Unit-3 **15 Lectures**

- संस्कृत वाङ्मय का सामान्य परिचय –
  वैदिक साहित्य,
  रामायण, महाभारत, पुराण

Unit-4 **15 Lectures**

- अनुवाद
  संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत में (सामान्य वाक्यों का)

Suggested Reading:

संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास : डा0 सूर्यकान्त
संस्कृत व्याकरण रचना तथा निबन्ध : डॉ. रामजी उपाध्याय

Anigam

27.1.2021